प्रश्न–पत्र पुस्तिका
QUESTION PAPER BOOKLET

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 40
Number of Pages in Booklet : 40

पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 100
Number of Questions in Booklet :100

समय / Time : 2 घंटे / 2 Hours

A बुकलेट सीरीज़

पूर्णांक / Maximum Marks : 100

INSTRUCTIONS

1. Answer all questions.
2. Each question carries one mark.
3. Only one answer is to be given for each question.
4. Answers are to be marked on the OMR Answer Sheet, provided separately.
5. Each question has four options, marked serially as 1, 2, 3, 4 out of which only one is correct. Candidate has to darken only one circle or bubble by right method indicating the correct answer on the Answer Sheet using only **BLACK/BLUE INK BALL POINT PEN**.
6. There is no Negative Marking.
7. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.
8. Please fill your Roll Number and Series printed on Question Paper Booklet on O.M.R. Answer Sheet, carefully and correctly.
9. Answer to the question by darkening multiple circles/spreading of ink or darkening the circle by wrong method shall not be evaluated.
10. If there is any sort of ambiguity/mistake either of printing or factual nature then out of Hindi and English Version of the question, the English Version will be treated as standard.
11. Answer to the question by using whitener or eraser or using any other method to erase the darkened circle, shall not be evaluated.
12. Use only blue/black ink ball point pen in OMR Answer Sheet. In case of use of pencil or ball point pen of any other ink, Answer Sheet shall not be evaluated.

Warning : Candidate using unfair means in the exam will be disqualified & action as per law shall be taken.

निर्देश

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
2. प्रत्येक प्रश्न का एक अंक है।
3. प्रत्येक प्रश्न का केवल एक ही उत्तर दीजिए।
4. प्रश्नों के उत्तर पृथक से दिये गये ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक पर अंकित करें।
5. प्रत्येक प्रश्न के साथ चार विकल्प दिये गये हैं, जिन्हें क्रमशः 1, 2, 3, 4 अंकित किया गया है, जिनमें से केवल एक सही है। अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले अथवा बबल को **काली / नीली स्याही के बॉल पॉइंट पेन** का प्रयोग करते हुए सही तरीके से गहरा करना है।
6. कोई नकारात्मक अंकन नहीं है।
7. परीक्षा हॉल में मोबाईल फोन अथवा अन्य इलेक्ट्रॉनिक यंत्र पूर्णतः वर्जित है। किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी वर्जित सामग्री पाये जाने पर उसके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्यवाही की जाएगी।
8. कृपया अपना रोल नम्बर एवं प्रश्न–पत्र पुस्तिका पर अंकित सीरीज़ ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक पर सावधानीपूर्वक एवं सही भरें।
9. एक से अधिक गोले भरने / स्याही फैलाने या गलत तरीके से गोला भरने पर उस उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।
10. यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की अस्पष्टता / त्रुटि हो, तो प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेजी रूपान्तरों में से अंग्रेजी रूपान्तर मान्य होगा।
11. भरे गये गोले को व्हाइटनर या रबड़ या किसी अन्य तरीके से मिटाने पर उस उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।
12. ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक में केवल नीली / काली स्याही के बॉल पॉइंट पेन का प्रयोग करें। पेंसिल या अन्य किसी स्याही के बॉल पॉइंट पेन का प्रयोग करने पर उत्तर–पत्रक का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।

चेतावनी : परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करने पर अभ्यर्थी को अयोग्य घोषित कर दिया जायेगा एवं विधि अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

1. सिविल जज अजमेर द्वारा एक डिक्री पारित की जाती है। बाद में, ब्यावर नाम से नया जिला बन जाने के कारण, स्थानीय क्षेत्राधिकार बदल गया तथा अब, प्रश्नगत सम्पत्ति सिविल जज, ब्यावर के क्षेत्राधिकार में आती है। निम्न में से कौनसा न्यायालय, ऐसी डिक्री के निष्पादन का क्षेत्राधिकार रखता है?

(1) केवल सिविल जज अजमेर

(2) केवल सिविल जज ब्यावर

(3) सिविल जज अजमेर एवं ब्यावर दोनों

(4) न तो सिविल जज अजमेर ना ही सिविल जज ब्यावर बल्कि क्षेत्राधिकार का निर्धारण उच्च न्यायालय द्वारा किया जाएगा।

A decree is passed by the Civil Judge, Ajmer. Later on, on account of creation of new district namely Beawar, local jurisdiction has been changed and now, the land in question comes under the jurisdiction of Civil Judge, Beawar. Which of the following courts, have jurisdiction to execute such decree?

(1) Civil Judge Ajmer only

(2) Civil Judge Beawar only

(3) Both Civil Judge Ajmer and Beawar

(4) Neither Civil Judge Ajmer nor Civil Judge Beawar but the jurisdiction is to be decided by the High Court

2. माल विक्रय अधिनियम, 1930 के अंतर्गत, परिदान और संदाय के संदर्भ में कौनसा कथन सही नहीं है?

(1) जब तक कि अन्यथा करार न हुआ हो, माल का परिदान और कीमत का संदाय समवर्ती शर्तें हैं।

(2) विक्रीत माल का परिदान ऐसा कोई काम करके किया जा सकेगा जिसके बारे में पक्षकारों में करार हो कि वह परिदान माना जाएगा या जो माल पर क्रेता का या उसकी ओर से धारित करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति का कब्जा करा देने का प्रभाव रखता हो।

(3) सम्पूर्ण माल का परिदान चालू रखने के दौरान में माल के भाग का परिदान ऐसे माल में की सम्पत्ति के संक्रमण के प्रयोजन के लिए वही प्रभाव रखता है जो सम्पूर्ण का परिदान किन्तु माल के भाग का ऐसा परिदान जो उसे सम्पूर्ण के पृथक करने के आशय से किया जाए शेष के परिदान के रूप में प्रवृत्त नहीं होगा।

(4) कोई अभिव्यक्त संविदा न हो, माल का विक्रेता, क्रेता द्वारा परिदान के लिए आवेदन करने का इंतजार किए बिना, उसका परिदान करने के लिए आबद्ध है।

Which of the following statement is not correct with regard to the payment and delivery under the Sale of Goods Act, 1930?

(1) Unless otherwise agreed, delivery of the goods and payment of the price are concurrent conditions.

(2) Delivery of goods sold may be made by doing anything which the parties agree shall be treated as delivery or which has the effect of putting the goods in the possession of the buyer or of any person authorised to hold them on his behalf.

(3) A delivery of part of goods, in progress of the delivery of the whole, has the same effect, for the purpose of passing the property in such goods, as a delivery of the whole; but a delivery of part of the goods, with an intention of severing it from the whole, does not operate as a delivery of the remainder.

(4) Apart from any express contract, the seller of goods is bound to deliver them without waiting the buyer to apply for delivery.

3. हिन्दू अप्राप्तव्यता और संरक्षण अधिनियम, 1956 के प्रावधानों के अनुसार, एक दत्तक पुत्र जो अप्राप्तवय हो, का नैसर्गिक संरक्षक कौन होगा?

(1) दत्तक पिता और उसके बाद दत्तक माता।

(2) दत्तक माता और उसके बाद दत्तक पिता।

(3) दत्तक पिता या माता में से वह जिसकी प्रेरणा पर दत्तक ग्रहण किया गया है।

(4) नैसर्गिक संरक्षकता हमेशा प्राकृतिक माता–पिता की ही रहेगी।

According to the provisions of the Hindu Minority and Guardianship Act, 1956, who is the natural guardian of an adopted son who is a minor?

(1) The adoptive father and after him the adoptive mother.

(2) The adoptive mother and after him the adoptive father.

(3) Amongst the adoptive father or mother, on whose instance, the adoption was made.

(4) Natural guardianship will always remain with the natural guardians.

4. "Heydon's case" का नियम कहलाता है –

(1) रिष्टि का नियम

(2) निर्वचन का स्वर्णिम नियम

(3) एज्यूस्डेम जेनेरिस का नियम

(4) युक्तियुक्त व्याख्या का नियम

Rule of Heydon's case is known as -

(1) Mischief Rule

(2) Golden Rule of Interpretation

(3) Rule of Ejusdem Generis

(4) Rule of Reasonable Construction

5. मुस्लिम विधि के अन्तर्गत, "इद्दत" से गुजर रही महिला से विवाह है –

(1) एक वैध विवाह

(2) एक अवैध विवाह

(3) एक अनियमित विवाह

(4) एक विवाह जो आरम्भ से ही शून्य है

Under Mohammedan law, a marriage with a woman undergoing "iddat" is –

(1) A valid marriage

(2) A void marriage

(3) An irregular marriage

(4) A marriage which is ab initio void

6. परिसीमा अधिनियम, 1963 के प्रयोजनों से, वाद की संस्थिति, उस कम्पनी के विरुद्ध दावे की दशा में जिसका न्यायालय द्वारा परिसमापन किया जा रहा हो, तब होती है जब ————————

(1) दावेदार के दावे का परिदान शासकीय समापक को पहली बार कारित किया जाता है।

(2) दावा शासकीय समापक द्वारा स्वीकार किया जाता है।

(3) शासकीय समापक दावेदार के दावे का पहली बार संज्ञान लेता है।

(4) शासकीय समापक द्वारा विरोधी पक्षकार को नोटिस जारी किया जाता है।

For the purposes of the Limitation Act, 1963, a suit is instituted, in the case of a claim against a company which is being wound up by the court, when -

(1) the claimant first sends in his claim to the official liquidator.

(2) the claim is accepted by the official liquidator.

(3) the official liquidator took cognizance of the claim send to him by the claimant.

(4) the official liquidator issue notice to the opposite party.

7. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 133 के प्रावधानों के अन्तर्गत, निम्न में से कौन स्वीय उपसंजाति से छूट पाने का हकदार नहीं है?

(1) भारत का उप–राष्ट्रपति

(2) भारत का प्रधानमंत्री

(3) राज्यों के मंत्री

(4) लोकसभा का उपाध्यक्ष

Under the provisions of the section 133 of the Code of Civil Procedure, 1908, which amongst the following is not entitled for exemption from personal appearance?

(1) The Vice-President of India

(2) The Prime Minister of India

(3) The Ministers of States

(4) The Deputy Speaker of the House of the People

8. "प्राथमिक साक्ष्य" के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है?

(1) जहां कोई दस्तावेज प्रतिलेख में निष्पादित है और प्रत्येक प्रतिलेख पक्षकारों में से केवल एक पक्षकार या कुछ पक्षकारों द्वारा निष्पादित किया गया है, वहां प्रत्येक प्रतिलेख उन पक्षकारों के विरुद्ध, जिन्होंने उसका निष्पादन किया है, प्राथमिक साक्ष्य है।

(2) जहां अनेक दस्तावेज एकरूपात्मक प्रक्रिया द्वारा बनाए गए हैं जैसा कि मुद्रण, शिला मुद्रण या फोटो चित्रण में होता है, वहां उनमें से प्रत्येक शेष सबकी अन्तर्वस्तु का प्राथमिक साक्ष्य है एवं यहां तक कि यदि वे सब किसी एक ही मूल की प्रतियां हैं, वहां वे मूल की अन्तर्वस्तु का प्राथमिक साक्ष्य हैं।

(3) जहां कोई इलेक्ट्रॉनिक या डिजिटल अभिलेख सृजित या संग्रहित किया जाता है और ऐसा संग्रह एक साथ या पश्चातवर्ती रूप से अनेक फाइलों में किया जाता है, उनमें से प्रत्येक फाइल प्राथमिक साक्ष्य है।

(4) उपरोक्त सभी सही हैं।

Which of the following statement is not correct with regard to "Primary Evidence"?

(1) Where a document is executed in counterpart, each counterpart being executed by one or some of the parties only, each counterpart is primary evidence as against the parties executing it.

(2) Where a number of documents are all made by one uniform process, as in the case of printing, lithography or photography, each is primary evidence of the contents of the rest; and even if they are all copies of a common original, they are the primary evidence of the contents of the original.

(3) Where an electronic or digital record is created or stored, and such storage occurs simultaneously or sequentially in multiple files, each such file is primary evidence.

(4) All the above are correct.

9. हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 के अनुसार, "सप्तपदी" से अभिप्रेत है —

(1) वर एवं वधू द्वारा सात पद चलना जिनमें से तीन पद वर, वधू के पीछे चलेगा एवं चार पद वधू, वर के पीछे चलेगी।

(2) वर एवं वधू द्वारा सात पद चलना जिनमें से तीन पद वधू, वर के पीछे चलेगी एवं चार पद वर, वधू के पीछे चलेगा।

(3) अग्नि के समक्ष वर और वधू द्वारा संयुक्ततः सात पद चलना।

(4) वर और वधू द्वारा संयुक्ततः अग्नि के सात चक्कर लगाना।

According to The Hindu Marriage Act, 1955, "Saptapadi" means --

(1) the taking of seven steps by the bridegroom and the bride wherein for three steps bridegroom will walk behind the bride and for four steps bride will walk behind the bridegroom.

(2) the taking of seven steps by the bridegroom and the bride wherein for three steps bride will walk behind the bridegroom and for four steps bridegroom will walk behind the bride.

(3) the taking of seven steps by the bridegroom and the bride jointly before the sacred fire.

(4) the taking of seven rounds by the bridegroom and the bride jointly around the sacred fire.

10. विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963 की धारा 21 के अधीन प्रतिकर के निर्धारण में न्यायालय ———— में विनिर्दिष्ट सिद्धान्तों से मार्गदर्शित होगा।

(1) भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 की धारा 39

(2) भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 की धारा 53

(3) भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 की धारा 54

(4) भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 की धारा 73

In determining the amount of any compensation awarded under section 21 of the Specific Relief Act, 1963, the court shall be guided by the principles specified in .....

(1) Section 39 of the Indian Contract Act, 1872

(2) Section 53 of the Indian Contract Act, 1872

(3) Section 54 of the Indian Contract Act, 1872

(4) Section 73 of the Indian Contract Act, 1872

11. रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 के प्रावधानों के अन्तर्गत, एक वसीयत को पंजीकरण हेतु प्रस्तुत या जमा किया जा सकता है —

(1) इसके निष्पादन के तीन माह के भीतर
(2) इसके निष्पादन के तीन वर्ष के भीतर
(3) इसके निष्पादन के बारह वर्ष के भीतर
(4) किसी भी समय

Under the provisions of the Registration Act, 1908, a will may be presented or deposited for registration --

(1) within three months of its execution
(2) within three years of its execution
(3) within twelve years of its execution
(4) at any time

12. मुस्लिम विधि के अन्तर्गत, मृत्यु शैय्या के दौरान उत्तराधिकारी के पक्ष में ऋण की अभिस्वीकृति ————

(1) वैध प्रमाण है और उसकी तुष्टि मृतक की सम्पत्ति से की जा सकती है।
(2) किसी भी प्रकार से ऋण का प्रमाण नहीं है एवं कोई प्रभाव नहीं दिया जा सकता।
(3) वैध प्रमाण है परन्तु इसकी तुष्टि तभी की जा सकती है जबकि ऋण एवं अंतिम संस्कार के खर्चे के भुगतान के बाद, इसे तुष्ट करने हेतु पर्याप्त सम्पत्ति शेष बचती है।
(4) केवल तभी वैध प्रमाण है जबकि मृतक ने दो गवाहों के समक्ष लिखित अभिस्वीकृति की हो, अन्यथा, इसका कोई मूल्य नहीं है।

Under Mohammedan Law, an acknowledgment of a debt made during death-illness in favour of an heir ----------

(1) is a valid proof and the same may be satisfied from the property of the deceased.
(2) is no proof at all of the debt and no effect can be given.
(3) is a valid proof but the same may be satisfied only if, after payment of funeral expenses and debts, sufficient property remains to satisfy the same.
(4) is a valid proof only if deceased made a written acknowledgement in the presence of 2 witness, otherwise, the same is of no value.

13. सम्पत्ति अन्तरण अधिनियम, 1882 के प्रावधानों के अन्तर्गत, जब तक कि विषय या संदर्भ में कोई बात विरुद्ध न हो, "स्थावर सम्पत्ति" में ———

(1) खड़ा काष्ठ आता है।
(2) खड़ा काष्ठ और उगति फसलें आती हैं।
(3) खड़ा काष्ठ, उगति फसलें और घास आती है।
(4) खड़ा काष्ठ, उगति फसलें और घास नहीं आती है।

Under the provisions of the Transfer of Property Act, 1882, unless there is something repugnant in the subject or context, "immoveable property" ------

(1) includes standing timber.
(2) includes standing timber and growing crops.
(3) includes standing timber, growing crops and grass.
(4) does not include standing timber, growing crops and grass.

14. निम्न में से कौनसी रिट का तात्पर्य, "किसी निचली अदालत द्वारा पारित उस आदेश को रद्द करना जो क्षेत्राधिकार के बाहर था या प्राकृतिक न्याय के सिद्धान्तों के विरुद्ध था।" है?

(1) बंदी प्रत्यक्षीकरण

(2) परमादेश

(3) अधिकार पृच्छा

(4) उत्प्रेषण

Which of the following writs means, "Quashing an order passed by a lower court that was without jurisdiction or against the principles of natural justice."?

(1) Habeas Corpus

(2) Mandamus

(3) Quo Warranto

(4) Certiorari

15. किन परिस्थितियों में, कोई भी दस्तावेज जिस पर राजस्थान न्यायालय फीस और वाद मूल्यांकन अधिनियम, 1961 के अधीन फीस प्रभार्य है, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत प्रभार्य फीस से अन्यून फीस को संदत्त किए बिना, उच्च न्यायालय सहित किसी भी न्यायालय में प्रस्तुत या प्रदर्शित की जा सकती है?

(1) जब कभी दण्ड न्यायालय की राय में, न्याय की विफलता को रोकने के लिए ऐसे दस्तावेज की प्रस्तुति या प्रदर्शित करना आवश्यक हो।

(2) जब कभी सिविल न्यायालय की राय में, न्याय की विफलता को रोकने के लिए ऐसे दस्तावेज की प्रस्तुति या प्रदर्शित करना आवश्यक हो।

(3) जब कभी राजस्व न्यायालय की राय में, न्याय की विफलता को रोकने के लिए ऐसे दस्तावेज की प्रस्तुति या प्रदर्शित करना आवश्यक हो।

(4) उपरोक्त सभी सही हैं।

Under what circumstances a document which is chargeable with fee under Rajasthan Court Fee and Suit Valuation Act, 1961, can be filed or exhibited in any court including the High Court, without payment of a fee of an amount not less than that indicated as chargeable under the said act?

(1) Whenever the filing or exhibition in a Criminal Court of a document, is in the opinion of the Court necessary to prevent a failure of justice.

(2) Whenever the filing or exhibition in a Civil Court of a document, is in the opinion of the Court necessary to prevent a failure of justice.

(3) Whenever the filing or exhibition in a Revenue Court of a document, is in the opinion of the Court necessary to prevent a failure of justice.

(4) All the above are correct.

16. निम्न में से किस मामले में, द्वितीयक साक्ष्य प्रस्तुत करने की सूचना आवश्यक है?

(1) जब साबित किया जाने वाला दस्तावेज स्वयं एक सूचना है।

(2) जब प्रतिपक्षी को मामले की प्रकृति से यह जानना ही हो कि उसे प्रस्तुत करने की उससे अपेक्षा की जाएगी।

(3) जबकि यह प्रतीत होता है या साबित किया जाता है कि प्रतिपक्षी ने मूल पर कब्जा कपट या बल द्वारा अभिप्राप्त किया है।

(4) जबकि प्रतिपक्षी या उसके अभिकर्ता ने दस्तावेज के खो जाने से इन्कार कर दिया है।

In which of the following cases, notice to produce secondary evidence is required?

(1) When the document to be proved is itself a notice.

(2) When, from the nature of the case, the adverse party must know that he will be required to produce it.

(3) When it appears or is proved that the adverse party has obtained possession of the original by fraud or force.

(4) When the adverse party or his agent has denied the loss of the document.

17. किसी संविदा में हितबद्ध कोई भी व्यक्ति उसे विखंडित कराने के लिए निम्न में से किस आधार पर वाद ला सकेगा तथा ऐसा विखंडन न्यायालय द्वारा न्यायनिर्णीत किया जा सकेगा?

(1) जहां कि संविदा वादी द्वारा शून्यकरणीय या पर्यवसेय न हो।

(2) जहां कि संविदा ऐसे हेतुकों से विधि विरुद्ध हो जो उसे देखने ही से प्रकट है और वादी का दोष प्रतिवादी से अधिक हो।

(3) जहां कि संविदा वादी द्वारा शून्यकरणीय या पर्यवसेय हो।

(4) उपरोक्त में से कोई नहीं।

Any person interested in a contract may sue to have it rescinded, and such rescission may be adjudged by the court, on which of the following ground?

(1) where the contract is not voidable or terminable by the plaintiff.

(2) where the contract is lawful for causes apparent on its face and the plaintiff is more to blame than the defendant.

(3) where the contract is voidable or terminable by the plaintiff.

(4) None of the above.

18. निम्न में से कौनसा रिक्त स्थान भरने के लिए सबसे उपयुक्त उत्तर है?

जहां न्यायालय को यह पता चलता है कि किसी पक्षकार का पंजीकृत पता अधूरा, मिथ्या या काल्पनिक है वहां न्यायालय या तो स्वप्रेरणा पर या किसी पक्षकार के आवेदन पर ————

(1) ऐसे मामले में जहां ऐसा रजिस्ट्रीकृत पता प्रतिवादी द्वारा दिया गया था वहां उसकी प्रतिरक्षा काट दी जाएगी और वह उसी स्थिति में रखा जाएगा मानो उसने कोई प्रतिरक्षा पेश नहीं की हो।

(2) ऐसे मामले में जहां रजिस्ट्रीकृत पता वादी द्वारा दिया गया था वहां वाद के रोके जाने का आदेश दे सकेगा।

(3) (1) तथा (2) दोनों सही हैं।

(4) (1) तथा (2) दोनों गलत हैं।

Which of the following is the best suited answer to fill in the blank of the statement below?
Where the registered address of a party is discovered by the Court to be incomplete, false or fictitious, the Court may, either on its own motion, or on the application of any party, order ----------

(1) in the case where such registered address was furnished by a defendant, his defence be struck out and he be placed in the same position as if he had not put up any defence.

(2) in the case where such registered address was furnished by a plaintiff, stay of the suit.

(3) Both (1) & (2) are correct.

(4) Both (1) & (2) are incorrect.

19. हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की अनुसूची में, निम्न में से कौन वर्ग 1 का उत्तराधिकारी नहीं है?

(1) पूर्वमृत पुत्र के पूर्वमृत पुत्र का पुत्र

(2) पूर्वमृत पुत्र की पूर्वमृत पुत्री की पुत्री

(3) पिता

(4) माता

Who amongst the following is not heir in Class 1 of the Schedule of the Hindu Succession Act, 1956?

(1) Son of a pre-deceased son of a pre-deceased son

(2) Daughter of a pre-deceased daughter of a pre-deceased son

(3) Father

(4) Mother

20. भारत के उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश द्वारा त्यागपत्र प्रस्तुत करने के प्रावधान के संदर्भ में निम्न में से कौनसा कथन सही है?

(1) उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश राष्ट्रपति को संबोधित अपने हस्ताक्षर सहित लेख द्वारा पद त्याग सकेगा।

(2) उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश भारत के मुख्य न्यायाधीश को संबोधित अपने हस्ताक्षर सहित लेख द्वारा पद त्याग सकेगा।

(3) उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश न्यायालय समय में खुले न्यायालय में उद्घोषणा द्वारा पद त्याग सकेगा।

(4) उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश केन्द्रीय मंत्रि–परिषद को संबोधित अपने हस्ताक्षर सहित लेख द्वारा पद त्याग सकेगा।

Which of the following statement is correct with regard to the provision regarding submission of resignation by a Judge of Supreme Court of India?

(1) A Judge of Supreme Court, may, by writing under his hand addressed to the President, resign his office.

(2) A Judge of Supreme Court, may, by writing under his hand addressed to the Chief Justice of India, resign his office.

(3) A Judge of Supreme Court, may, by announcing the same in the open court during court hours, resign his office.

(4) A Judge of Supreme Court, may, by writing under his hand addressed to the Central Council of Ministers, resign his office.

21. राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम, 2001 के प्रावधानों के अनुसार, अपील किराया अधिकरण में प्रस्तुत अपील का निपटारा ———

(1) प्रत्यर्थी पर अपील के नोटिस की तामील की दिनांक से एक सौ अस्सी दिन की कालावधि के भीतर–भीतर किया जाएगा।

(2) किराया अधिकरण द्वारा पारित निर्णय की दिनांक से एक सौ अस्सी दिन की कालावधि के भीतर–भीतर किया जाएगा।

(3) प्रत्यर्थी पर अपील के नोटिस की तामील की दिनांक से एक वर्ष की कालावधि के भीतर–भीतर किया जाएगा।

(4) किराया अधिकरण द्वारा पारित आदेश की दिनांक से एक वर्ष की कालावधि के भीतर–भीतर किया जाएगा।

According to the provisions of the Rajasthan Rent Control Act, 2001, an appeal filed in the Appellate Rent Tribunal shall be decided within ------

(1) a period of one hundred and eighty days from the date of service of notice of appeal on the respondent.

(2) a period of one hundred and eighty days from the date of the order passed by Rent Tribunal.

(3) a period of one year from the date of service of notice of appeal on the respondent.

(4) a period of one year from the date of the order passed by Rent Tribunal.

22. सम्पत्ति अन्तरण अधिनियम, 1882 के प्रावधानों के अन्तर्गत, "विक्रय" से अभिप्रेत है –

(1) "विक्रय" ऐसी कीमत के बदले में स्वामित्व का अन्तरण है जो दी जा चुकी हो, परन्तु इसमें ऐसी कीमत शामिल नहीं है जिसे देने का वचन दिया गया है।

(2) "विक्रय" ऐसी कीमत के बदले में स्वामित्व का अन्तरण है जो दी जा चुकी हो, या जिसके देने का वचन दिया गया हो परन्तु इसमें ऐसी कीमत शामिल नहीं है जिसका कोई भाग दे दिया गया हो और किसी भाग के देने का वचन दिया गया हो।

(3) "विक्रय" ऐसी कीमत के बदले में स्वामित्व का अन्तरण है जो दी जा चुकी हो, या जिसके देने का वचन दिया गया हो या जिसका कोई भाग दे दिया गया हो और किसी भाग के देने का वचन दिया गया हो।

(4) "विक्रय" केवल सम्पत्ति की कीमत की प्राप्ति है, जिसका स्वामित्व के अंतरण से कोई सम्बन्ध नहीं है।

Under the provisions of the Transfer of Property Act, 1882, "Sale" means –

(1) a transfer of ownership, in exchange for a price paid but it does not include the price which has been promised.

(2) a transfer of ownership in exchange for a price paid or promised but it does not include the price partly-paid and partly-promised.

(3) a transfer of ownership in exchange for a price paid or promised or part-paid and part-promised.

(4) just a receipt of a price of property, which has no relation with the transfer of ownership.

23. 'बबलू' को 'सलीम' एक घोड़ा बेचता है और मौखिक वारण्टी देता है कि वह अच्छा है। 'बबलू' को 'सलीम' इन शब्दों को लिखकर एक कागज पर देता है –"'सलीम' से 500 रुपये में एक घोड़ा खरीदा।"
सही उत्तर का परीक्षण कीजिए।

(1) 'बबलू' मौखिक वारण्टी साबित नहीं कर सकता।

(2) 'बबलू' मौखिक वारण्टी साबित कर सकता है।

(3) मौखिक वारण्टी का कोई मूल्य नहीं है क्योंकि विक्रय का तथ्य कागज पर लिखा है, अतः इसे साबित नहीं किया जा सकता।

(4) उपरोक्त में से कोई विकल्प सही नहीं है।

'Saleem' sells 'Babloo' a horse and verbally warrants him sound. 'Saleem' gives 'Babloo' a paper in these words: "Bought of 'Saleem' a horse of Rs. 500."
Examine the correct answer.

(1) 'Babloo' cannot prove the verbal warranty.

(2) 'Babloo' may prove the verbal warranty.

(3) Verbal warranty is of no value since the fact of sale is written on a paper, hence, the same cannot be proved.

(4) None of the above option is correct.

24. उन शब्दों और पदों के, जो भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु ---------- में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उनका उक्त अधिनियम और संहिता में हैं।

(1) सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 और भारतीय न्याय संहिता, 2023

(2) सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908, विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 और भारतीय न्याय संहिता, 2023

(3) सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023, भारतीय न्याय संहिता, 2023 और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000

(4) सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 और भारतीय न्याय संहिता, 2023

Words and expressions used in the Bharatiya Sakshya Adhiniyam, 2023 and not defined therein, but defined in ---------- shall have the same meanings as assigned to them in the said Act and Sanhitas.

(1) the Code of Civil Procedure, 1908, the Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita, 2023 and the Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023

(2) the Code of Civil Procedure, 1908, the Specific Relief Act, 1963, the Information Technology Act, 2000, the Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita, 2023 and the Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023

(3) the Code of Civil Procedure, 1908, the Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita, 2023, the Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023 and the Information Technology Act, 2000

(4) the Information Technology Act, 2000, the Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita, 2023 and the Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023

25. राजस्थान भू–राजस्व अधिनियम, 1956 के प्रावधानों के अन्तर्गत, "नजूल भूमि" से अभिप्रेत है —

(1) राज्य सरकार में निहित केवल वह आबादी भूमि जो नगरपालिका की सीमा के अन्दर हो।

(2) राज्य सरकार में निहित केवल वह आबादी भूमि जो पंचायत सर्किल की सीमा के अन्दर हो।

(3) राज्य सरकार में निहित वह आबादी भूमि जो नगरपालिका या पंचायत सर्किल या गांव, कस्बा या शहर की सीमा के अन्दर हो।

(4) राज्य सरकार या केन्द्र सरकार, जैसा भी हो, में निहित कोई भी भूमि।

Under the provisions of Rajasthan Land Revenue Act, 1956, "Nazul Land" shall mean --

(1) abadi land within the limits of a municipality only, vesting in the State Government.

(2) abadi land within the limits of a panchayat circle only, vesting in the State Government.

(3) abadi land within the limits of a municipality or a panchayat circle or a village, town or city, vesting in the State Government.

(4) any land belongs to State Government or as the case may be, to the Central Government.

26. मुस्लिम विधि के अन्तर्गत, उत्तराधिकार के सामान्य नियम के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है?

(1) उत्तराधिकार की मुस्लिम विधि के अन्तर्गत चल एवं अचल सम्पत्ति या पैतृक एवं स्व–अर्जित सम्पत्ति में कोई अन्तर नहीं है।

(2) उत्तराधिकार की मुस्लिम विधि के अन्तर्गत चल एवं अचल सम्पत्ति में कोई अन्तर नहीं है परन्तु पैतृक एवं स्व–अर्जित सम्पत्ति में स्पष्टतः अन्तर है।

(3) उत्तराधिकार की मुस्लिम विधि के अन्तर्गत पैतृक एवं स्व–अर्जित सम्पत्ति में कोई अन्तर नहीं है परन्तु चल एवं अचल सम्पत्ति में स्पष्टतः अन्तर है।

(4) उत्तराधिकार की मुस्लिम विधि के अन्तर्गत चल एवं अचल सम्पत्ति या पैतृक एवं स्व–अर्जित सम्पत्ति में स्पष्टतः अन्तर है।

Which of the following statement is correct with regard to general rule of inheritance under Mohammedan Law?

(1) There is no distinction under the Mohammedan Law of inheritance between movable and immovable property or between ancestral and self-acquired property.

(2) There is no distinction under the Mohammedan Law of inheritance between movable and immovable property but there is a clear distinction between ancestral and self-acquired property.

(3) There is no distinction under the Mohammedan Law of inheritance between ancestral and self-acquired property but there is a clear distinction between movable and immovable property.

(4) There is a clear distinction under the Mohammedan Law of inheritance between movable and immovable property or between ancestral and self-acquired property.

27. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के अन्तर्गत द्वितीय अपील के प्रावधानों के सन्दर्भ में, निम्न में से कौनसा कथन सही नहीं है?

(1) उच्च न्यायालय के अधीनस्थ किसी न्यायालय द्वारा अपील में पारित प्रत्येक डिक्री की उच्च न्यायालय में द्वितीय अपील हो सकेगी, यदि उच्च न्यायालय का यह समाधान हो जाता है कि उस मामले में विधि का कोई सारवन् प्रश्न अन्तर्वलित है।

(2) एकपक्षीय पारित अपीली डिक्री की द्वितीय अपील सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 100 के अधीन नहीं हो सकेगी।

(3) सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 100 के अधीन अपील में अन्तर्वलित विधि के उस सारवान् प्रश्न का अपील के ज्ञापन में प्रमिततः कथन किया जाएगा।

(4) जहां उच्च न्यायालय का यह समाधान हो जाता है कि किसी मामले में सारवान् विधि का प्रश्न अन्तर्वलित है, तो वह उस प्रश्न को बनाएगा।

With regard to the provisions of second appeal under the Code of Civil Procedure, 1908, which of the following statement is not correct?

(1) Second appeal shall lie to the High Court from every decree passed in appeal by any Court subordinate to the High Court, if the High Court is satisfied that the case involves a substantial question of law.

(2) Second appeal under section 100 of the Code of Civil Procedure, 1908 cannot be filed against an appellate decree passed ex parte.

(3) In an appeal under section 100 of the Code of Civil Procedure, 1908, the memorandum of appeal shall precisely state the substantial question of law involved in the appeal.

(4) Where the High Court is satisfied that a substantial question of law is involved in any case, it shall formulate that question.

28. परिसीमा अधिनियम, 1963 के प्रावधानों के अन्तर्गत, "अभिस्वीकृति" के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है?

(1) वह आवेदन, जो डिक्री या आदेश के निष्पादन के लिए हो किसी सम्पत्ति या अधिकार की बाबत आवेदन समझा जाएगा।

(2) अभिस्वीकृति पर्याप्त हो सकेगी यद्यपि वह उस सम्पत्ति या अधिकार की यथावत् प्रकृति का विनिर्देश न करती हो।

(3) अभिस्वीकृति के प्रयोजनों के लिए "हस्ताक्षरित" शब्द से स्वयं द्वारा हस्ताक्षरित अभिप्रेत है एवं इस निमित्त सम्यक् प्राधिकृत अभिकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित को इसमें शामिल नहीं करता है।

(4) उपरोक्त में से कोई भी सही नहीं है।

Under the provisions of the Limitation Act, 1963, which of the following statement is correct with regard to "Acknowledgment"?

(1) An application for the execution of a decree or order shall be deemed to be an application in respect of any property or right.

(2) An acknowledgment may be sufficient though it omits to specify the exact nature of the property or right.

(3) For the purposes of an acknowledgment, the word "signed" means signed personally and does not include signed by any agent duly authorized in this behalf.

(4) None of the above is correct.

29. सम्पत्ति अन्तरण अधिनियम, 1882 के प्रावधानों के अन्तर्गत, निम्न में से कौनसा पट्टा मौखिक करार द्वारा किया जा सकता है?

(1) स्थावर सम्पत्ति का एक वर्ष से अधिक अवधि का पट्टा।

(2) स्थावर सम्पत्ति का वर्षानुवर्षी पट्टा।

(3) कब्जे के परिदान सहित, स्थावर सम्पत्ति का एक वर्ष से अनधिक अवधि का पट्टा।

(4) उपरोक्त में से कोई नहीं, क्योंकि स्थावर सम्पत्ति का पट्टा मौखिक करार से नहीं किया जा सकता है।

Under the provisions of the Transfer of Property Act, 1882, which of the following lease can be made by oral agreement?

(1) A lease of immoveable property for any term exceeding one year.

(2) A lease of immoveable property from year to year.

(3) A lease of immoveable property for any term not exceeding one year, accompanied by delivery of possession.

(4) None of the above, because the lease of immoveable property cannot be made by oral agreement.

30. सूचक प्रश्न –

(1) मुख्य परीक्षा में या पुनः परीक्षा में, यदि विरोधी पक्षकार द्वारा आक्षेप किया जाता है, न्यायालय की अनुज्ञा के बिना नहीं पूछे जाने चाहिए।

(2) मुख्य परीक्षा में या पुनः परीक्षा में, न्यायालय की अनुज्ञा के बिना नहीं पूछे जाने चाहिए।

(3) मुख्य परीक्षा में, यदि विरोधी पक्षकार द्वारा आक्षेप किया जाता है, न्यायालय की अनुज्ञा के बिना नहीं पूछे जाने चाहिए परन्तु प्रतिपरीक्षा या पुनः परीक्षा में पूछे जा सकते हैं।

(4) मुख्य परीक्षा में या प्रतिपरीक्षा में या पुनः परीक्षा में, यदि विरोधी पक्षकार द्वारा आक्षेप किया जाता है, न्यायालय की अनुज्ञा के बिना नहीं पूछे जाने चाहिए।

Leading questions -

(1) must not, if objected to by the adverse party, be asked in an examination-in-chief, or in a re-examination, except with the permission of the Court.

(2) must not, be asked in an examination-in-chief, or in a re-examination, except with the permission of the Court.

(3) must not, if objected to by the adverse party, be asked in an examination-in-chief, except with the permission of the Court but the same may be asked in the cross-examination or re-examination.

(4) must not, if objected to by the adverse party, be asked in an examination-in-chief, or in cross-examination or in a re-examination, except with the permission of the Court.

31. माल विक्रय के लिए एक अभिकर्ता रमेश, जिसे उधार बेचने का प्राधिकार है हाकम सिंह की शोधनक्षमता के बारे में उचित और प्रायिक जांच किए बिना हाकम सिंह को उधार माल बेचता है। बाद में, यह पता चलता है कि इस विक्रय के समय हाकम सिंह दिवालिया है।

रमेश ——————

(1) उससे हुई हानि के लिए अपने मालिक को प्रतिकर देगा।

(2) उससे हुई हानि के लिए अपने मालिक को प्रतिकर देने का उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता चूंकि उसने ऐसा सामान्य रूप से किया था।

(3) अपने मालिक के लिए कार्य कर रहा था इसलिए उसके द्वारा किया गया कार्य ऐसा समझा जाएगा मानो ऐसा उसके मालिक ने ही किया हो और इसलिए इससे हुई किसी भी क्षति के लिए दायी नहीं है।

(4) तथा उसके मालिक को क्षति को बराबर–बराबर बांटना चाहिए।

Ramesh is an agent for the sale of goods, having authority to sell on credit. Ramesh sells to Hakam Singh on credit, without making proper and usual enquiries with regard to his solvency. Later on, it reveals that Hakam Singh was solvent at the time of such sale.

Ramesh ----------

(1) must make compensation to his principal in respect of any loss thereby sustained.

(2) cannot be held liable for compensation to his principal in respect of any loss thereby sustained because he did it in routine.

(3) was acting for his principal, therefore, the acts done by him will be treated as if the same were done by his principal and he cannot be held liable in respect of any loss thereby sustained.

(4) and his principal will have to share the losses equally.

32. माल विक्रय अधिनियम, 1930 के प्रावधानों के अनुसार, विक्रय की संविदा लिखित ——

(1) की जा सकती है परन्तु वाचिक नहीं की जा सकती है।

(2) में या वाचिक की जा सकती है परन्तु भागतः लिखित एवं भागतः वाचिक नहीं की जा सकती है।

(3) में या वाचिक या भागतः लिखित एवं भागतः वाचिक की जा सकती है परन्तु पक्षकारों के आचरण से विवक्षित नहीं हो सकती है।

(4) या वाचिक या भागतः लिखित एवं भागतः वाचिक की जा सकती है अथवा पक्षकारों के आचरण से भी विवक्षित हो सकती है।

As per the provisions of the Sale of Goods Act, 1930, a contract of sale may be made in writing ---

(1) but cannot be by word of mouth.

(2) or by word of mouth but cannot be partly in writing and partly by word of mouth.

(3) or by word of mouth, or partly in writing and partly by word of mouth but cannot be implied from the conduct of the parties.

(4) or by word of mouth, or partly in writing and partly by word of mouth or may also be implied from the conduct of the parties.

33. राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम, 2001 की धारा 8 के अन्तर्गत जारी कब्जे की पुनः प्राप्ति का प्रमाणपत्र व्यपगत हो जाएगा, यदि अधिकरण के समक्ष उसके निष्पादन का प्रार्थना पत्र ऐसे प्रमाणपत्र के निष्पादनीय होने की तारीख से ———————— के भीतर–भीतर दाखिल नहीं किया गया हो।

(1) तीन माह

(2) छः माह

(3) एक माह

(4) एक साल

The certificate for recovery of possession issued under section 8 of the Rajasthan Rent Control Act, 2001 shall lapse if petition for execution thereof has not been filed before the Tribunal within ..... from the date such certificate becomes executable.

(1) three months

(2) six months

(3) one month

(4) one year

34. हिन्दू दत्तक तथा भरण–पोषण अधिनियम, 1956 के प्रावधानों के अनुसार, जहां अपत्य की जनकता ज्ञात न हो, किसके द्वारा तथा किसे, अपत्य को दत्तक में दिया जा सकता है?

(1) अपत्य का संरक्षक न्यायालय की पूर्व अनुज्ञा से उस अपत्य को किसी भी व्यक्ति को दत्तक दे सकता है परन्तु स्वयं संरक्षक को नहीं।

(2) अपत्य का संरक्षक न्यायालय की पूर्व अनुज्ञा से केवल स्वंय को अपत्य को दत्तक दे सकता है अन्य को नहीं।

(3) ऐसा व्यक्ति जो अपत्य की देखरेख करता है यानि आश्रय, भोजन, कपड़े एवं अन्य आवश्यक चीजें आदि देता है, चाहे वह विधि की दृष्टि में अपत्य का संरक्षक हो या न हो, न्यायालय की पूर्व अनुज्ञा से उस अपत्य को किसी भी व्यक्ति को जिसके अन्तर्गत वह स्वयं भी आता है, दत्तक दे सकता है।

(4) अपत्य का संरक्षक न्यायालय की पूर्व अनुज्ञा से उस अपत्य को किसी भी व्यक्ति को जिसके अन्तर्गत वह संरक्षक भी आता है, दत्तक दे सकता है।

According to the provisions of the Hindu Adoption and Maintenance Act, 1956, where the parentage of the child is not known, by whom and to whom, a child can be given in adoption?

(1) The guardian of the child may give the child in adoption with the previous permission of the court to any person but not to the guardian himself.

(2) The guardian of the child may give the child in adoption with the previous permission of the court to himself only.

(3) The person who is taken care of the child i.e. giving shelter, food, cloths & other essentials etc., irrespective of the fact whether such person is a guardian in the eyes of law or not, with the previous permission of the court, may give the child in adoption to any person including himself.

(4) The guardian of the child may give the child in adoption with the previous permission of the court to any person including the guardian himself.

35. निम्न में से कौनसा रिक्त स्थान भरने के लिए सबसे उपयुक्त उत्तर है?
सम्मति स्वतन्त्र तब कही जाएगी जब वह ———————— द्वारा कारित न हो।

(1) प्रपीड़न या असम्यक् असर

(2) कपट या दुर्व्यपदेशन

(3) दुर्विनियोग या छल

(4) उपरोक्त सभी सही हैं

Which of the following is best suited to fill in the blank?
Consent is said to be free when it is not caused by ----------

(1) Coercion or Undue Influence

(2) Fraud or Misrepresentation

(3) Misappropriation or Cheating

(4) All the above are correct

36. भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की धारा 376, 376–क, 376–कख, 376–ख, 376–ग, 376–घ, 376–घक, 376–घख या 376–ङ के तहत अपराध के सम्बन्ध में प्रत्येक अन्वेषण पुलिस स्टेशन के भारसाधक अधिकारी द्वारा पुलिस स्टेशन में सूचना अभिलिखित करने के दिनांक से ——— के भीतर पूर्ण की जाएगी।

(1) एक माह

(2) तीन माह

(3) दो माह

(4) 45 दिन

Every investigation in relation to an offence under sections 376, 376A, 376AB, 376B, 376C, 376D, 376DA, 376DB or 376E of the Indian Penal Code, 1860, shall be completed within ---------- from the date on which the information was recorded by the officer in charge of the police station.

(1) one month

(2) three months

(3) two months

(4) 45 days

37. किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 के प्रावधानों के अन्तर्गत, "किशोर" से अभिप्रेत है —

(1) सोलह वर्ष से कम आयु का बालक

(2) अठारह वर्ष से कम आयु का बालक या सोलह वर्ष से कम आयु की बालिका

(3) इक्कीस वर्ष से कम आयु का बालक या अठारह वर्ष से कम आयु की बालिका

(4) अठारह वर्ष से कम आयु का बालक

Under the provisions of the Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act, 2015, "juvenile" means -

(1) a child below the age of sixteen years

(2) a male child below the age of eighteen years or a female child below the age of sixteen years

(3) a male child below the age of twenty-one years or a female child below the age of eighteen years

(4) a child below the age of eighteen years

38. भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के प्रावधानों के अनुसार, उन मामलों में, जहां कि दण्डादेश (चाहे मृत्यु का हो या नहीं) ऐसे विषय से, जिस पर राज्य की कार्यपालना शक्ति का विस्तार हो, सम्बन्धित किसी विधि के विरुद्ध अपराध के लिए, मृत्यु दण्ड या आजीवान कारावास के दण्डादेश के लघुकरण हेतु, "समुचित सरकार" से अभिप्रेत है ———

(1) उस राज्य की सरकार, जिसके अन्दर अपराधी दण्डादिष्ट हुआ है।

(2) उस राज्य की सरकार, जिसके अन्दर अपराध कारित हुआ है।

(3) उस राज्य की सरकार, जिसके अन्दर अपराध कारित हुआ है या अपराधी दण्डादिष्ट हुआ है।

(4) उस राज्य की सरकार, जिसके अन्दर अपराध कारित हुआ है या अपराधी दण्डादिष्ट हुआ है या अपराधी सजा भुगत रहा है।

Under the provisions of the Indian Penal Code, 1860, in cases where the sentence (whether of death or not) is for an offence against any law relating to a matter to which the executive power of the State extends, for the purposes of commutation of sentence of death or imprisonment for life, the "Appropriate Government" means ----------.

(1) the Government of the State within which the offender is sentenced.

(2) the Government of the State within which the offence is committed.

(3) the Government of the State within which the offence is committed or the offender is sentenced.

(4) the Government of the State within which the offence is committed or the offender is sentenced or the offender is undergoing the sentence.

39. जैसा कि भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की धारा 442 में परिभाषित किया गया है, "गृह अतिचार" के अपराध के गठन के लिए, निम्न में से कौनसा "प्रवेश" के तत्व के लिए पर्याप्त है?

(1) आपराधिक अतिचार के लिए पहला कदम रखना

(2) सम्पत्ति के अन्दर आपराधिक अतिचार करने वाले व्यक्ति के शरीर के किसी भाग का प्रवेश

(3) अतिचारी का सम्पत्ति के अन्दर पूर्ण प्रवेश

(4) अतिचारी का सम्पत्ति में बलपूर्वक प्रवेश

For constituting the offence of "House Trespass" as defined under section 442 of the Indian Penal Code, 1860, which of the following is sufficient to establish the element of "entering"?

(1) Putting 1st step of the criminal trespasser inside the property

(2) The introduction of any part of the criminal trespasser's body inside the property

(3) Complete entry of trespasser inside the property

(4) Forcible entry of trespasser inside the property

40. अपराधी परिवीक्षा अधिनियम, 1958 की धारा 13 के अनुसार परिवीक्षा अधिकारी के संदर्भ में निम्न में से कौनसा कथन सही नहीं है?

(1) परिवीक्षा अधिकारी ऐसा व्यक्ति होगा जो राज्य सरकार द्वारा परिवीक्षा अधिकारी नियुक्त किया गया है या राज्य सरकार द्वारा उस रूप में मान्यता प्राप्त है।

(2) अपराधी परिवीक्षा अधिनियम, 1958 के अन्तर्गत परिवीक्षा अधिकारी, वह व्यक्ति होगा जो राज्य सरकार द्वारा इस निमित्त मान्यता प्राप्त सोसायटी द्वारा इस प्रयोजन के लिए उपलब्ध किया गया है।

(3) किसी असाधारण मामले में कोई भी अन्य व्यक्ति जो न्यायालय की राय में उस मामले की विशेष परिस्थितियों में परिवीक्षा अधिकारी के रूप में कार्य करने के योग्य हो।

(4) परिवीक्षा अधिकारी ऐसा व्यक्ति होगा जो केन्द्रीय सरकार द्वारा परिवीक्षा अधिकारी नियुक्त किया गया है या केन्द्रीय सरकार द्वारा उस रूप में मान्यता प्राप्त है।

According to the section 13 of the Probation of Offenders Act, 1958, Which of the following statement is not correct, with regard to the Probation Officer?

(1) A Probation Officer under the Probation of Offenders Act, 1958 shall be a person appointed to be a Probation Officer by the State Government or recognised as such by the State Government.

(2) A Probation Officer under the Probation of Offenders Act, 1958 shall be a person provided for this purpose by a society recognised in this behalf by the State Government.

(3) A Probation Officer under the Probation of Offenders Act, 1958 shall be in any exceptional case, any other person who, in the opinion of the court, is fit to act as a probation officer in the special circumstances of the case.

(4) A Probation Officer under the Probation of Offenders Act, 1958 shall be a person appointed to be a probation officer by the Central Government or recognised as such by the Central Government.

41. राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950 के प्रावधानों के अंतर्गत, "निर्यात" से अभिप्रेत है ——

(1) राजस्थान राज्य के उन भागों से बाहर ले जाना जिनमें राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950 का प्रसार है।

(2) भारत की सीमाओं से बाहर ले जाना।

(3) समुद्री जहाज से, चाहे वह भारत में पंजीकृत हो या न हो, भारत से बाहर ले जाते हुए, समुद्री जहाज से बाहर निकालना।

(4) सभी करों का भुगतान करने के बाद भारत की सीमाओं से बाहर ले जाना।

Under the provisions of the Rajasthan Excise Act, 1950, "Export" means ---

(1) to take out of those parts of the State of Rajasthan to which the Rajasthan Excise Act, 1950 extends.

(2) to take out of the territories of India.

(3) while transporting out of India by a ship, whether registered in India or not, to take out of the ship.

(4) to take out of the territories of India, after paying all applicable excise duties.

42. "मिथ्या साक्ष्य देना" के अपराध के प्रयोजन से, न्यायालय द्वारा विधि के अनुसार निर्दिष्ट और न्यायालय के प्राधिकार के अधीन संचालित अन्वेषण ——

(1) न्यायिक कार्यवाही का एक प्रक्रम नहीं है।

(2) केवल तभी, "न्यायिक कार्यवाही का एक प्रक्रम" के रूप में माना जा सकता है, जबकि ऐसे आदेश में ऐसा विर्निदिष्टतः अंकित हो।

(3) न्यायिक कार्यवाही का एक प्रक्रम है, चाहे वह अन्वेषण किसी न्यायालय के समक्ष न भी हो।

(4) न्यायिक कार्यवाही का एक प्रक्रम नहीं है, यदि अन्वेषण न्यायालय के समक्ष संचालित नहीं किया जा रहा हो।

For the purposes of the offence of "Giving false evidence", an investigation directed by a Court of Justice according to law and conducted under the authority of a Court of Justice ----------.

(1) is not a stage of a judicial proceeding.

(2) may be treated as "a stage of judicial proceeding", only if, it is specifically mentioned in such direction.

(3) is a stage of a judicial proceeding, irrespective of the fact whether that investigation may or may not be taken place before a Court of Justice.

(4) is not a stage of a judicial proceeding, if that investigation is not being taken place before a Court of Justice.

43. दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 265ख के प्रावधानों के अन्तर्गत, निम्न में से कौन, उस न्यायालय में अभिवाक्–सौदेबाजी का आवेदन दाखिल कर सकता है, जिसमें ऐसा अपराध विचारण के लिए लम्बित है?

(1) अभियुक्त

(2) परिवादी

(3) अभियुक्त या परिवादी

(4) अभियुक्त या परिवादी या अभियोजक

Under the provisions of section 265B of the Code of Criminal Procedure, 1973, who amongst the following, may file an application for plea bargaining in the Court in which such offence is pending for trial?

(1) Accused

(2) Complainant

(3) Accused or Complainant

(4) Accused or Complainant or Prosecutor

44. राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950 के प्रावधानों के अंतर्गत, निम्न में से कौनसा कथन सही है?

(1) कोई भी अनुज्ञप्त विक्रेता और उक्त विक्रेता के नियोजन में स्थित या उसकी ओर से कार्य करने वाला कोई व्यक्ति, किसी भी शराब या मादक औषधि–द्रव्य का विक्रय या परिदान, जाहिरा तौर पर 18 वर्ष से कम आयु के किसी भी व्यक्ति को कर सकेगा।

(2) कोई भी अनुज्ञप्त विक्रेता और उक्त विक्रेता के नियोजन में स्थित या उसकी ओर से कार्य करने वाला कोई व्यक्ति, किसी भी शराब या मादक औषधि–द्रव्य का विक्रय या परिदान, किसी विकृत–चित्त व्यक्ति को कर सकेगा।

(3) कोई भी अनुज्ञप्त विक्रेता और उक्त विक्रेता के नियोजन में स्थित या उसकी ओर से कार्य करने वाला कोई व्यक्ति, किसी भी शराब या मादक औषधि–द्रव्य का विक्रय या परिदान, उस इकाई के, जिसका वह सैनिक है, समुचित अधिकारी की अनुज्ञा के बिना, ड्यूटी पर तैनात एवं वर्दीधारी सैनिक को नहीं करेगा।

(4) कोई भी अनुज्ञप्त विक्रेता या और विक्रेता के नियोजन में स्थित या उसकी ओर से कार्य करने वाला कोई व्यक्ति, किसी भी शराब या मादक औषधि–द्रव्य का विक्रय या परिदान, चाहे पूर्णतः या अंशतः गहनों, कपड़ों, शस्त्रों या गृहस्थी के बरतनों के विनिमय करके कर सकेगा।

Under the provisions of the Rajasthan Excise Act, 1950, which of the following statement is correct?

(1) Any licenced vendor and person in the employ of such vendor or acting on his behalf may sell or deliver any liquor or intoxicating drug to any person apparently under the age of 18 years.

(2) Any licensed vendor and person in the employ of such vendor or acting on his behalf may sell or deliver any liquor or intoxicating drug to any person of unsound mind.

(3) No licenced vendor and no person in the employ of such vendor or acting on his behalf may sell or deliver any liquor or intoxicating drug to any soldier on duty and in uniform except with the permission of the proper officer of the unit to which the soldier belongs.

(4) Any licensed vendor or person in the employ of such vendor or acting on his behalf may sell or deliver any liquor or intoxicating drug in exchange whether wholly or in part, for jewellery, clothes, arms or household utensils.

45. दाण्डिक कार्यवाहियों में पूर्वतन बुरे शील की सुसंगतता के संदर्भ में, निम्न में से कौनसा कथन सही है?

(1) दाण्डिक कार्यवाहियों में, यह तथ्य कि अभियुक्त बुरे शील का है, हमेशा विसंगत है।

(2) दाण्डिक कार्यवाहियों में, यह तथ्य कि अभियुक्त बुरे शील का है, हमेशा सुसंगत है।

(3) दाण्डिक कार्यवाहियों में, यह तथ्य कि अभियुक्त बुरे शील का है, तब तक विसंगत है, जब तक इस बात का साक्ष्य न दिया गया हो कि वह अच्छे शील का है, जिस मामले में वह सुसंगत हो जाता है।

(4) दाण्डिक कार्यवाहियों में, यह तथ्य कि अभियुक्त बुरे शील का है, विसंगत है तथा यदि इस बात का साक्ष्य दिया भी गया हो कि वह अच्छे शील का है, यह असंगत ही रहेगा।

Which of the following statement is correct with regard to the relevancy of previous bad character in the criminal proceedings?

(1) In criminal proceedings, the fact that the accused has a bad character, is always irrelevant.

(2) In criminal proceedings, the fact that the accused has a bad character, is always relevant.

(3) In criminal proceedings, the fact that the accused has a bad character, is irrelevant, unless evidence has been given that he has a good character, in which case it becomes relevant.

(4) In criminal proceedings, the fact that the accused has a bad character, is irrelevant and even if the evidence has been given that he has a good character, it remains irrelevant.

46. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 के प्रावधानों के अनुसार, एक पागल व्यक्ति –

(1) साक्ष्य देने के लिए सक्षम नहीं है।

(2) तब तक साक्ष्य देने के लिए सक्षम नहीं है जब तक सक्षम प्राधिकारी उसे विकृतचित्त घोषित नहीं कर दे।

(3) साक्ष्य देने को अक्षम नहीं है, जब तक कि वह अपने पागलपन के कारण उससे किए गए प्रश्नों को समझने से या उनके युक्तिसंगत उत्तर देने से निवारित न हो।

(4) साक्ष्य देने को सक्षम नहीं है, जब तक कि एक पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी उसके समर्थन में एक वैध प्रमाणपत्र जारी न कर दे।

According to the provisions of the Indian Evidence Act, 1872, a lunatic is –

(1) not competent to testify.

(2) not competent to testify till appropriate authority declare him as unsound mind.

(3) not incompetent to testify, unless he is prevented by his lunacy from understanding the questions put to him and giving rational answers to them.

(4) not competent to testify, unless a valid certificate issued by a registered medical practitioner in support thereof.

47. द्वितीय या पश्चातवर्ती दोषसिद्धि की दशा में, महिलाओं का अशिष्ट रूपण (प्रतिषेध) अधिनियम, 1986 की धारा 3 या धारा 4 के उल्लंघन के लिए क्या शास्ति प्रावधानित की गई है?

(1) पाँच वर्ष का कारावास और जुर्माने से जो, एक लाख रुपये से कम नहीं होगा।

(2) कारावास जिसकी अवधि एक वर्ष से कम न होगी किन्तु जो तीन साल तक की हो सकेगी और जुर्माने से जो, पांच हजार रुपये से कम नहीं होगा किन्तु जो पचास हजार रुपये तक हो सकेगा।

(3) कारावास जिसकी अवधि छः मास से कम न होगी किन्तु जो तीन साल तक का हो सकेगा और जुर्माने से जो, दस हजार रुपये से कम नहीं होगा किन्तु जो एक लाख रुपये तक हो सकेगा।

(4) कारावास जिसकी अवधि छः मास से कम न होगी किन्तु जो पाँच साल तक हो सकेगी और जुर्माना जो, दस हजार रुपये से कम नहीं होगा किन्तु जो एक लाख रुपये तक हो सकेगा।

In the event of a second or subsequent conviction, what is the penalty provided for contravention of the provisions of section 3 or section 4 of the Indecent Representation of Women (Prohibition) Act, 1986?

(1) Imprisonment for a term not less then five years and also with a fine not less then one lakh rupees.

(2) Imprisonment for a term of not less than one year but which may extend to three years and also with a fine not less than five thousand rupees but which may extend to fifty thousand rupees.

(3) Imprisonment for a term of not less than six months but which may extend to three years and also with a fine not less than ten thousand rupees but which may extend to one lakh rupees.

(4) Imprisonment for a term of not less than six months but which may extend to five years and also with a fine not less than ten thousand rupees but which may extend to one lakh rupees.

48. भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के प्रावधानों के अनुसार, उन सब मामलों में, जिनमें यह निर्णय दिया जाता है कि कोई व्यक्ति उस निर्णय में विनिर्दिष्ट कई अपराधों में से एक अपराध का दोषी है, किन्तु यह संदेहपूर्ण है कि वह उन अपराधों में से किस अपराध का दोषी है, यदि वही दण्ड सब अपराधों के लिए उपबंधित नहीं है, तो वह अपराधी ————

(1) उस अपराध के लिए दण्डित किया जाएगा, जिसके लिए अधिक से अधिक दण्ड उपबंधित किया गया है।

(2) उस अपराध के लिए दण्डित किया जाएगा, जो न्यायालय उचित समझे।

(3) उस अपराध के लिए दण्डित किया जाएगा, जिसके लिए कम से कम दण्ड उपबंधित किया गया है।

(4) दोनों अपराधों के लिए दण्डित किया जाएगा, हालांकि न्यायालय ऐसा आदेश करने के लिए बाध्य है कि सभी सजाएं साथ–साथ चलेंगी।

Under the provisions of the Indian Penal Code, 1860, in all cases in which judgment is given that a person is guilty of one of several offences specified in the judgment, but that it is doubtful of which of these offences he is guilty, the offender ----------.

(1) shall be punished for the offence for which the highest punishment is provided if the same punishment is not provided for all.

(2) shall be punished for the offence,for which the court deems appropriate.

(3) shall be punished for the offence for which the lowest punishment is provided if the same punishment is not provided for all.

(4) shall be punished for both the offence, however court is bound to pass an order that all the punishments shall run concurrently.

49. किसी व्यक्ति को, उच्च न्यायालय से भिन्न किसी न्यायालय के ऐसे आदेश के विरुद्ध, जिसके द्वारा दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 340 की उपधारा (1) या (2) के अन्तर्गत परिवाद करने से इन्कार कर दिया है, क्या उपचार प्राप्त है?

(1) वह, उस न्यायालय में पुनरीक्षण कर सकता है जिसके, ऐसा पूर्वकथित न्यायालय दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 195 की उपधारा (4) के अर्थ में अधीनस्थ है।

(2) वह, उस न्यायालय में अपील कर सकता है जिसके, ऐसा पूर्वकथित न्यायालय दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 195 की उपधारा (4) के अर्थ में अधीनस्थ है।

(3) उसे, दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 के प्रावधानों के अन्तर्गत कोई उपचार प्राप्त नहीं है, अतः, उच्च न्यायालय के समक्ष रिट याचिका दायर करने का ही एकमात्र उपचार है।

(4) उसे दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 के प्रावधानों के अन्तर्गत कोई उपचार प्राप्त नहीं है ना ही वह उच्च न्यायालय के समक्ष रिट याचिका प्रस्तुत कर सकता है। एकमात्र उपचार उच्चतम न्यायालय के समक्ष विशेष अनुमति याचिका प्रस्तुत करना है।

What remedy a person have against the order of any court other than a High Court, whereby, the request to make a complaint under sub-section (1) or sub-section (2) of section 340 of the Code of Criminal Procedure, 1973 has been refused?

(1) He can file a revision to the Court to which such former Court is subordinate within the meaning of sub-section (4) of section 195 of the Code of Criminal Procedure, 1973.

(2) He can file an appeal to the Court to which such former Court is subordinate within the meaning of sub-section (4) of section 195 of the Code of Criminal Procedure, 1973.

(3) He does not have any remedy under the provisions of the Code of Criminal Procedure, 1973, hence, only remedy is to file a writ petition before High Court.

(4) He doesn't have any remedy under the provisions of the Code of Criminal Procedure, 1973 nor can he file a writ petition before the High Court. The only remedy is to file Special Leave Petition before the Supreme Court.

50. परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध के लिए संस्थित एक मामले के विचारण के दौरान, किस प्रक्रम पर न्यायालय चेक के लेखिवाल को परिवादी को अंतरिम प्रतिकर देने का आदेश दे सकता है?

(1) परिवाद प्रस्तुत करने के बाद किसी भी प्रक्रम पर

(2) प्रसंज्ञान लेने के बाद किसी भी प्रक्रम पर

(3) जहां अभियुक्त ने परिवाद में दोषी नहीं होने का अभिवाक किया है या आरोप विरचित किए जाने पर

(4) परिवादी की प्रतिपरीक्षा के बाद

During the trial of a case instituted for the offence punishable under section 138 of the Negotiable Instruments Act, 1881, at which stage, the court can order the drawer of the cheque to pay interim compensation to the complainant?

(1) At any stage after filing of complaint

(2) At any stage after taking cognizance

(3) Where the accused pleads not guilty to the accusation made in the complaint or upon framing of charge

(4) After cross examination of the complainant

51. 'अ' 50000 रु. 'ब' से उधार लेता है। बार–बार याद दिलाने के बावजूद, वह उसे वापस नहीं करता है। 'अ' अपने नौकर 'स' को 'ब' की हत्या, उस समय करने के लिए उकसाता है, जब 'ब' धन की मांग करने आये। अगले दिन, 'ब' धन की मांग करने आता है, 'अ' और 'ब' के मध्य गर्मा–गर्मी होती है। हालांकि, 'अ' कुछ नहीं करता है परन्तु ऐसे उकसावे के अन्तर्गत, 'स' एक कुल्हाड़ी का वार 'ब' के सिर पर करता है, परिणामस्वरूप, 'ब' मौके पर ही मर जाता है। 'अ' तथा 'स' ने क्या अपराध किया है?

(1) 'स', 'ब' की हत्या का दोषी है तथा अ ऐसी हत्या को उकसाने का दोषी है।

(2) 'अ' तथा 'स' दोनों, 'ब' की हत्या के दोषी हैं।

(3) 'स', 'ब' की हत्या का दोषी है तथा 'अ' ने कोई अपराध नहीं किया है।

(4) 'अ', 'ब' की हत्या को उकसाने का दोषी है तथा 'स' ने कोई अपराध नहीं किया है।

'A' borrowed Rs. 50000 from 'B'. Despite repeated reminders, he was not repaying the same. 'A' instigate 'C', his servant, to murder 'B', when he comes to demand his money. Next day, 'B' came to make a demand of money. Hot talks were exchanged between 'A' and 'B' . However, 'A' didn't do anything, but under such instigation, 'C' gave an axe blow on the head of 'B', resultantly, 'B' died at the spot. What offences, 'A' and 'C' has committed?

(1) C is guilty of murder of B and A is guilty of abating such murder.

(2) A & C both are guilty of murder of B.

(3) C is guilty of murder of B and A has not committed any offence.

(4) A is guilty of abating murder of B and C has not committed any offence.

52. भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के प्रावधानों के अनुसार, "विश्वास करने का कारण" से अभिप्रेत है --

(1) कोई व्यक्ति किसी बात के "विश्वास रखने का कारण" रखता है, यह तब कहा जाता है, जब वह स्वयं को अन्य की स्थिति में रखकर सोचने में सक्षम हो।

(2) कोई व्यक्ति किसी बात के "विश्वास रखने का कारण" रखता है, यह तब कहा जाता है, जब वह ऐसा विश्वास रखता है जैसा कि एक प्रज्ञावान व्यक्ति, समान परिस्थितियों में विश्वास रखता हो।

(3) कोई व्यक्ति किसी बात के "विश्वास रखने का कारण" रखता है, यह तब कहा जाता है, जब वह उस बात के विश्वास करने का पर्याप्त हेतुक रखता है, अन्यथा नहीं।

(4) कोई व्यक्ति किसी बात के "विश्वास रखने का कारण" रखता है, यदि उसके समक्ष, उस तथ्य के अस्तित्व को दर्शाने के लिए, पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत की गई हो।

According to the provisions of the Indian Penal Code, 1860, "Reason to believe" means --

(1) A person is said to have "reason to believe" a thing, if he is able to think by putting himself in the position of other.

(2) A person is said to have "reason to believe" a thing, if he believes, whatever, a prudent person would have believed, in the similar circumstances.

(3) A person is said to have "reason to believe" a thing, if he has sufficient cause to believe that thing, but not otherwise.

(4) A person is said to have "reason to believe" a thing, if sufficient evidence has been placed before him, to show the existence of that thing.

53. भारतीय न्याय संहिता, 2023 के अन्तर्गत, 'आतंकवादी कृत्य' की परिभाषा में प्रयुक्त 'लोक कृत्यकारी' से अभिप्रेत है –

(1) सभी लोक सेवक।

(2) लोक सेवक या राज्य सरकार द्वारा राजपत्र में लोक कृत्यकारी के रूप में अधिसूचित कोई अन्य कृत्यकारी।

(3) संवैधानिक प्राधिकारी या केन्द्रीय सरकार द्वारा राजपत्र में लोक कृत्यकारी के रूप में अधिसूचित कोई अन्य कृत्यकारी।

(4) प्राधिकारी या अन्य कृत्यकारी, जिन्हे अधिनियम की अनुसूची में प्राधिकारी के रूप में दर्शाया गया है।

"Public Functionary", as used in the definition of "Terrorist Act" under Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023, means-

(1) All the Public Servants.

(2) Public Servants or any other Functionary notified in the Official Gazette by the State Government as Public Functionary.

(3) The Constitutional Authorities or any other Functionary notified in the Official Gazette by the Central Government as Public Functionary.

(4) The Authorities or any other Functionaries, prescribed in the schedule of the act as Public Functionary.

54. निम्न में से, भारतीय न्याय संहिता, 2023 की कौनसी धारा के अन्तर्गत सामुदायिक सेवा का दण्ड निर्धारित नहीं है?

(1) धारा 202
(2) धारा 209
(3) धारा 226
(4) धारा 354

Under which of the following section, punishment of community service is not prescribed in the Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023?

(1) Section 202
(2) Section 209
(3) Section 226
(4) Section 354

55. कोई भी मजिस्ट्रेट राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950 के अधीन दण्डनीय किसी भी अपराध का संज्ञान राज्य सरकार की विशेष मंजूरी के बिना तब तक नहीं करेगा, जब तक कि अभियोजन उस तारीख के पश्चात् ———— के भीतर संस्थित नही कर दिया गया हो, जिसको कि अपराध का किया गया होना अभिकथित है।

(1) तीन वर्ष
(2) छः मास
(3) दो वर्ष
(4) एक वर्ष

Under the provisions of the Rajasthan Excise Act, 1950, except with the special sanction of the State Government, no Magistrate shall take congnizance of any offence punishable under the Act, unless the prosecution is instituted within ---------- after the date on which the offence is alleged to have been committed.

(1) three years
(2) six months
(3) two years
(4) one year

56. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 के प्रावधानों के अनुसार, "विवाद्यक तथ्य" से अभिप्रेत है व इसके अंतर्गत आता है ——

(1) सभी सुसंगत तथ्य।
(2) ऐसा कोई भी तथ्य जिस अकेले ही से, या अन्य तथ्यों के संसर्ग में किसी ऐसे अधिकार, दायित्व या निर्योग्यता के, जिसका किसी वाद या कार्यवाही में प्राख्यान या प्रत्याख्यान किया गया है, अस्तित्व, अनस्तित्व, प्रकृति या विस्तार की उपपत्ति अवश्यमेव होती है।
(3) वे तथ्य जो यदि सिद्ध न किए जाएं तो उन पर दावा करने वाला पक्षकार असफल हो जाएगा।
(4) सभी सुसंगत तथ्य, न्यायिक रूप से अपेक्षणीय तथ्य तथा वे तथ्य जिनके बारे में न्यायालय तत्समय प्रवृत्त विधि के अन्तर्गत उपधारणा करने के लिए बाध्य है।

According to the provisions of the Indian Evidence Act, 1872, "Fact in issue" means and include ----

(1) all the relevant facts.

(2) any fact from which, either by itself or in connection with other facts, the existence, non-existence, nature or extent of any right, liability, or disability, asserted or denied in any suit or proceeding, necessarily follows.

(3) the facts which, if not proved, the party asserting thereto, will fail.

(4) all the relevant facts, judicially noticeable facts and the facts to which the court is bound to presume under any law for the time being in force.

57. किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 की धारा 21 के अनुसार, विधि का उल्लंघन करने वाले किसी बालक को इस अधिनियम के उपबंधों के अधीन या भारतीय दण्ड संहिता (1860 का 45) या तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के उपबंधों के अधीन ऐसे किसी अपराध के लिए छोड़े जाने की संभावना के बिना ———————— का दण्डादेश नहीं दिया जाएगा।

(1) मृत्यु या आजीवन कारावास

(2) मृत्यु या आजीवन कारावास या ऐसे कठोर कारावास जिसकी अवधि दस वर्ष से कम नहीं होगी

(3) मृत्यु या आजीवन कारावास या ऐसे सादा कारावास जिसकी अवधि सात वर्ष से कम नहीं होगी

(4) मृत्यु या आजीवन कारावास या किसी भी अवधि के कठोर कारावास

According to section 21 of the Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act, 2015, no child in conflict with law shall be sentenced to ----------, without the possibility of release, for any such offence, either under the provisions of the act or under the provisions of the Indian Penal Code (45 of 1860) or any other law for the time being in force.

(1) death or for life imprisonment

(2) death or for life imprisonment or rigorous imprisonment for a term not less than ten years

(3) death or for life imprisonment or simple imprisonment for a term not less than Seven years

(4) death or for life imprisonment or rigorous imprisonment for any term

58. घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 का विस्तार क्या है?

(1) इसका विस्तार सम्पूर्ण भारत पर है।

(2) इसका विस्तार नागालैण्ड राज्य को छोड़कर सम्पूर्ण भारत पर है।

(3) इसका विस्तार केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू एवं कश्मीर को छोड़कर सम्पूर्ण भारत पर है।

(4) इसका विस्तार केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू एवं कश्मीर तथा नागालैण्ड राज्य को छोड़कर सम्पूर्ण भारत पर है।

What is the extent of the Protection of Women from Domestic Violence Act, 2005?

(1) It extends to the whole of India.

(2) It extends to the whole of India except the State of Nagaland.

(3) It extends to the whole of India except the Union Territory of Jammu and Kashmir.

(4) It extends to the whole of India except the Union Territory of Jammu and Kashmir and the State of Nagaland.

59. दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 199 उपधारा (2) के अधीन अपराध का संज्ञान करने वाला सेशन न्यायालय मामले का विचारण ——

(1) मजिस्ट्रेट के न्यायालय के समक्ष पुलिस रिपोर्ट पर संस्थित किए गए वारण्ट केस के विचारण की प्रक्रिया के अनुसार करेगा।

(2) मजिस्ट्रेट के न्यायालय के समक्ष पुलिस रिपोर्ट से भिन्न आधार पर संस्थित किए गए वारण्ट केस के विचारण की प्रक्रिया के अनुसार करेगा।

(3) सेशन विचारण की प्रक्रिया के अनुसार करेगा।

(4) मजिस्ट्रेट के न्यायालय के समक्ष पुलिस रिपोर्ट से भिन्न आधार पर संस्थित समन केस के विचारण की प्रक्रिया के अनुसार करेगा।

A Court of Session taking cognizance of an offence under Sub-Section (2) of section 199 of the Code of Criminal Procedure, 1973, shall try the case in accordance with the procedure for the ---

(1) trial of warrant cases instituted on a police report before a Court of Magistrate.

(2) trial of warrant cases instituted otherwise than on a police report before a Court of Magistrate.

(3) Sessions Trial.

(4) trial of Summons cases instituted otherwise than on a police report before a Court of Magistrate.

60. भारतीय न्याय संहिता, 2023 के प्रावधानों के अन्तर्गत, जहां कहीं भी शब्द "माह" या शब्द "वर्ष" का प्रयोग हुआ है, वहां यह समझा जाएगा कि मास या वर्ष की गणना ——

(1) ग्रिगोरियन कलैंडर के अनुसार की जानी है।

(2) असीरियन कलैंडर के अनुसार की जानी है।

(3) भारतीय राष्ट्रीय कलैंडर के अनुसार की जानी है।

(4) हिब्रू कलैंडर के अनुसार की जानी है।

As per the provisions of the Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023, wherever the word "month" or the word "year" is used, it is to be understood that the month or the year is to be reckoned according to the --

(1) Gregorian Calendar

(2) Assyrian Calendar

(3) Indian National Calendar

(4) Hebrew Calendar

61. भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 1 के उद्देश्यों से "जनजाति क्षेत्र" से अभिप्रेत है, राज्यक्षेत्र, जो ———————— के ठीक पहले, संविधान की छठी अनुसूची के पैरा 20 में यथानिर्दिष्ट असम के जनजाति क्षेत्रों में सम्मिलित थे और जो शिलांग नगरपालिका की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों से भिन्न हैं।

(1) 21 जनवरी, 1972

(2) 26 जनवरी, 1948

(3) 15 अगस्त, 1947

(4) 18 जनवरी, 1951

For the purposes of Section 1 of the Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita, 2023, "Tribal Area" means the territories which immediately before the....., were included in the tribal areas of Assam, as referred to in paragraph 20 of the Sixth Schedule to the Constitution, other than those within the local limits of the municipality of Shillong.

(1) 21st day of January, 1972

(2) 26th day of January, 1948

(3) 15th day of August, 1947

(4) 18th day of January, 1951

62. कोई सेशन न्यायालय भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 222 उपधारा (2) के अधीन किसी अपराध का संज्ञान नहीं ले सकेगा, जब तक कि परिवाद उस तारीख से ———— के भीतर न कर दिया जाता है, जिसको उस अपराध का किया जाना अभिलिखित है।

(1) एक साल

(2) एक माह

(3) तीन साल

(4) छः माह

No Court of Session shall take cognizance of an offence under sub-section (2) of section 222 of the Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita, 2023, unless the complaint is made within ---------- from the date on which the offence is alleged to have been committed.

(1) one year

(2) one month

(3) three years

(4) six months

63. लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 के अन्तर्गत विशेष न्यायालयों की प्रक्रिया और शक्तियों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है?

(1) विशेष न्यायालय अभियुक्त को विचारण के लिए सुपुर्द किए बिना किसी अपराध का संज्ञान ऐसे अपराध का गठन करने वाले तथ्यों का परिवाद प्राप्त होने पर नहीं ले सकेगा।

(2) विशेष न्यायालय विचारण के दौरान बालक का बार–बार विराम अनुज्ञात नहीं कर सकेगा।

(3) विशेष न्यायालय यह सुनिशिचित करेगा कि अन्वेषण या विचारण के दौरान किसी भी समय बालक की पहचान प्रकट नहीं की जाए परन्तु बालक की पहचान में बालक के विद्यालय की पहचान सम्मिलित नहीं होगी।

(4) यथास्थिति, विशेष लोक अभियोजक या अभियुक्त के लिए उपसंजात होने वाला अधिवक्ता बालक की मुख्य परीक्षा, प्रतिपरीक्षा या पुनःपरीक्षा अभिलिखित करते समय बालक से पूछे जाने वाले प्रश्नों को, विशेष न्यायालय को संसूचित करेगा जो क्रम से उन प्रश्नों को बालक के समक्ष रखेगा।

Which of the following statement is correct with regard to the procedure and powers of Special Court under the Protection of Children from Sexual Offences Act, 2012?

(1) Special Court cannot take cognizance of any offence, without the accused being committed to it for trial upon receiving a complaint of facts which constitute such offence.

(2) The Special Court may not permit frequent breaks for the child during the trial.

(3) The Special Court shall ensure that the identity of the child is not disclosed at any time during the course of investigation or trial but the identity of the child shall not include the identity of the child's school.

(4) The Special Public Prosecutor, or as the case may be, the counsel appearing for the accused shall, while recording the examination-in-chief, cross-examination or re-examination of the child, communicate the questions to be put to the child to the Special Court which shall in turn put those questions to the child.

64. सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के अन्तर्गत, इलेक्ट्रॉनिक चिह्नक प्रमाणपत्र जारी करने के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कथन गलत है?

(1) सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 21 के अधीन अनुदत्त कोई अनुज्ञप्ति ऐसी अवधि के लिए विधिमान्य होगी, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा विहित की जाए।

(2) सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 21 के अधीन अनुदत्त कोई अनुज्ञप्ति अंतरणीय या वंशागत नहीं होगी।

(3) सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 21 के अधीन अनुदत्त कोई अनुज्ञप्ति ऐसे निबंधनों और शर्तों के अधीन होगी, जो विनियमों द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए।

(4) सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 21 के अधीन अनुदत्त कोई अनुज्ञप्ति एक वर्ष की अवधि के लिए विधिमान्य होगी, जिसे समय–समय पर बढ़ाया जा सकेगा।

Which of the following is incorrect with regard to licence to issue Electronic Signature Certificates under the Information Technology Act, 2000?

(1) A licence granted under section 21 of the Information Technology Act, 2000 shall be valid for such period as may be prescribed by the Central Government.

(2) A licence granted under section 21 of the Information Technology Act, 2000 shall not be transferable or heritable.

(3) A licence granted under section 21 of the Information Technology Act, 2000 shall be subject to such terms and conditions as may be specified by the regulations.

(4) A licence granted under section 21 of the Information Technology Act, 2000 shall be valid for a period of one year which may be extended from time to time.

65. 'क' ऐसी उपेक्षा के लिए 'ख' पर वाद लाता है जो 'ख' ने उसे युक्तियुक्त रूप से अनुपयोग्य गाड़ी भाड़े पर देने द्वारा की जिससे उसको क्षति हुई थी।
निम्न में से कौनसा कथन सुसंगत है?
(1) ऐसा तथ्य कि विशिष्ट कार की त्रुटि की ओर अन्य अवसरों पर 'ख' का ध्यान आकृष्ट किया था, सुसंगत है।
(2) ऐसा तथ्य कि 'ख' उन कारों के बारे में, जिन्हें वह भाड़े पर देता था, अभ्यासतः उपेक्षावान था, सुसंगत है।
(3) (1) तथा (2) दोनों सही हैं।
(4) (1) तथा (2) दोनों गलत हैं।

'A' sues 'B' for negligence in providing him with a car for hire not reasonably fit for use, whereby 'A' was injured.
Which of the followings statement is relevant?
(1) The fact that 'B's' attention was drawn on other occasions to the defect of that particular car is relevant.
(2) The fact that 'B' was habitually negligent about the cars which he let to hire is relevant.
(3) Both (1) & (2) are correct.
(4) Both (1) & (2) are wrong.

66. भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के प्रावधानों के अनुसार, किसी व्यक्ति या अधिकारी को प्रदत्त शक्तियाँ निम्न में से किसके द्वारा वापस ली जा सकती हैं?
(1) केवल उच्च न्यायालय द्वारा
(2) केवल राज्य सरकार द्वारा
(3) यथास्थिति, उच्च न्यायालय या राज्य सरकार द्वारा
(4) यथास्थिति, केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार या उच्च न्यायालय द्वारा

According to the provisions of the Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita, 2023, by whom amongst the following, the powers conferred upon any person or officer, may be withdrawn?
(1) the High Court only
(2) the State Government only
(3) the High Court or the State Government, as the case may be
(4) the Central Government or the State Government or the High Court, as the case may be

67. भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 98 और 99 के अन्तर्गत, "समाचारपत्र" और "पुस्तक" से वे ही अर्थ हैं जो ————
(1) प्रेस और पुस्तक रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1867 में है।
(2) भारतीय दूर–संचार विनियामक प्राधिकरण अधिनियम, 1997 में है।
(3) प्रेस परिषद् अधिनियम, 1978 में है।
(4) प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम) अधिनियम, 1990 में है।

Under sections 98 and 99 of the Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita, 2023, "newspaper" and "book" have the same meanings ----------

(1) as in the Press and Registration of Books Act, 1867.

(2) as in the Telecom Regulatory Authority of India Act, 1997.

(3) as in the Press Council Act, 1978.

(4) as in the Prasar Bharati (Broadcasting Corporation of India) Act, 1990.

68. सीता और गीता एक सुनार की दुकान से एक जैसे हार क्रय करती हैं। सीता, गीता के हार की चोरी उसकी अलमारी में से करती है तथा उसे अपनी अलमारी में रखती है। हार के गुम हो जाने से अनभिज्ञ, एक दिन, गीता, सीता की अलमारी उसका हार चोरी करने के आशय से खोलती है तथा अपने हार को ही सीता का हार समझते हुए ले जाती है।

निम्न में से कौनसा कथन सही है?

(1) गीता वहां सीता के हार की चोरी करने के आशय से गई थी तथा उसे सीता का समझते हुए ले गई इसलिए उसने चोरी का अपराध कारित किया है।

(2) उसने कोई अपराध कारित नहीं किया है।

(3) गीता ने सीता के कब्जे से उसकी सहमति के बिना चल सम्पत्ति को बेईमानीपूर्वक हटाया है इसलिए गीता ने चोरी का अपराध कारित किया है।

(4) हालांकि, गीता ने चोरी का अपराध कारित किया है परन्तु न तो वह ना ही सीता को चोरी के लिए अभियोजित किया जाएगा क्योंकि उनके कृत्य एक–दूसरे के कृत्य के तुल्यकारक के रूप में माने जाएंगे।

Sita and Gita purchased same necklaces from a jeweler shop. Sita committed theft of Gita's Necklace from her almirah and kept it in her almirah. Unaware of the missing of her necklace, one day, Gita opened the almirah of Sita with the intention of committing theft of her necklace and take away her own necklace assuming the same to be of Sita.

Which of the following statement is correct?

(1) Gita went there with intention to commit theft of Sita's necklace and took the same assuming it to be of Sita, hence, she has committed the offence of theft.

(2) She has committed no offence.

(3) Gita dishonestly removes the movable property, from the possession of Sita without her consent, hence, Gita has committed the offence of theft.

(4) However, Gita has committed the offence of theft but neither she nor Sita will be prosecuted for the offence of theft because their acts shall be treated as equalizer of each other's act.

69. महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013 के अन्तर्गत, किसी कार्यस्थल के सम्बन्ध में, "व्यथित महिला" से अभिप्रेत है ———

(1) 18 वर्ष या उससे अधिक आयु की ऐसी महिला, चाहे नियोजित हो या नहीं, जो प्रत्यर्थी द्वारा लैंगिक उत्पीड़न के किसी कार्य के अध्यधीन रहने का अभिकथन करती है।

(2) किसी भी आयु की एक नियोजित महिला, जो प्रत्यर्थी द्वारा लैंगिक उत्पीड़न के किसी कार्य के अध्यधीन रहने का अभिकथन करती है।

(3) 18 वर्ष या उससे अधिक आयु की नियोजित महिला, जो प्रत्यर्थी द्वारा लैंगिक उत्पीड़न के किसी कार्य के अध्यधीन रहने का अभिकथन करती है।

(4) किसी भी आयु की ऐसी महिला, चाहे नियोजित हो या नहीं, जो प्रत्यर्थी द्वारा लैंगिक उत्पीड़न के किसी कार्य के अध्यधीन रहने का अभिकथन करती है।

Under the provisions of the Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013, in relation to a workplace, "aggrieved woman" means ---

(1) a woman of 18 or more than 18 years of age, whether employed or not, who alleges to have been subjected to any act of sexual harassment by the respondent.

(2) an employed woman of any age, who alleges to have been subjected to any act of sexual harassment by the respondent.

(3) an employed woman of 18 or more than 18 years of age, who alleges to have been subjected to any act of sexual harassment by the respondent.

(4) a woman of any age whether employed or not, who alleges to have been subjected to any act of sexual harassment by the respondent.

70. परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 80 के अनुसार, जबकि लिखत में कोई ब्याज दर विनिर्दिष्ट नहीं है, तब ब्याज क्या होगा?

(1) छः प्रतिशत वार्षिक

(2) दस प्रतिशत वार्षिक

(3) बारह प्रतिशत वार्षिक

(4) अठारह प्रतिशत वार्षिक

According to section 80 of the Negotiable Instruments Act, 1881, what would be the interest, when no rate of interest is specified in the instrument?

(1) Six percent per annum

(2) Ten percent per annum

(3) Twelve percent per annum

(4) Eighteen percent per annum

71. निम्न में से किस विकल्प के सभी शब्द तद्भव हैं?

(1) घोड़ा, चक्रवाक

(2) छेद, चोंच

(3) चाम, चित्रक

(4) घी, चंद्र

72. 'छँटाक चून चौबारे रसोई' लोकोक्ति का उपयुक्त अभिप्राय है –
(1) झूठा दिखावा और शान
(2) सीमित संसाधन
(3) प्रदर्शन का आग्रह
(4) अयोग्य व्यक्ति को अधिक प्राप्ति

73. मनोविकार सूचित करने में यदि प्रश्नवाचक शब्द आये तो कथन की पूर्णता पर प्रयुक्त चिह्न होगा –
(1) विस्मयादि बोधक
(2) प्रश्नवाचक
(3) पूर्ण विराम
(4) अर्ध विराम

74. निम्न में से संधि की दृष्टि से कौनसा विकल्प सही है?
(1) एक + एक = एकेक
(2) समुद्र + ऊर्मि = समुद्रोर्मि
(3) मही + इन्द्र = महेन्द्र
(4) मत + ऐक्य = मतेक्य

75. विलोम शब्द की दृष्टि से कौनसा विकल्प बेमेल है?
(1) ग्राह्य – त्याज्य
(2) गौरव – गरिमा
(3) गरल – सुधा
(4) जंगम – स्थावर

76. साधारण वाक्य का उदाहरण नहीं है ---
(1) शास्त्री जी को सभापति बनाया गया।
(2) दिन का थका हुआ आदमी रात को खूब सोता है।
(3) जो काम तुम्हें दिया गया है उसे देखो।
(4) यज्ञदत्त देवदत्त को व्याकरण पढ़ाता है।

77. 'न तीन में न तेरह में' लोकोक्ति का निकटतम अर्थ है ---
(1) अत्यन्त तुच्छ और नगण्य व्यक्ति।
(2) कोई सम्बन्ध नहीं रखना।
(3) झगड़े की जड़ को नष्ट कर देना।
(4) न लोक ही सुधरा, न परलोक ही।

78. कौनसा शब्द शुद्ध है?
(1) ऊर्ध्व
(2) इंदरा
(3) श्रंगार
(4) इंदू

79. 'पत्ते सूख रहे हैं इसलिए वे पीले दिखाई देते हैं।'
उपरोक्त वाक्य का प्रकार है ---
(1) मिश्र वाक्य
(2) साधारण वाक्य
(3) सरल वाक्य
(4) संयुक्त वाक्य

80. इनमें से किस विकल्प के सभी शब्द सदैव बहुवचन में ही प्रयुक्त होते हैं?
(1) लोग, घोड़ा
(2) आँसू, पानी
(3) धन, दाम
(4) प्राण, दर्शन

81. शुद्ध वाक्य नहीं है ---
(1) अपना आचरण और सभ्यता को बचाने का प्रयत्न करें।
(2) इस पेशे के लोग कम मिलेंगे।
(3) उन्हें चार घोड़ों और एक बैल का दाम मिला।
(4) उसके अच्छेपन का प्रभाव पड़ा।

82. किस मुहावरे का अभिप्राय त्रुटिपूर्ण है?
(1) नाम धरना = बदनाम करना
(2) नाम निकल जाना = नामकरण संस्कार करना
(3) नाम मिटना = कीर्ति का लोप होना
(4) नाम पर धब्बा लगना = यश पर लांछन लगना

83. किस विकल्प में विराम–चिह्न उपयुक्त प्रयुक्त हुए हैं?
(1) हिन्दुस्तान की राजधानी बताओ। रामचन्द्र जी की कहानी लिखो।
(2) हिन्दुस्तान की राजधानी बताओ? रामचन्द्र जी की कहानी लिखो?
(3) हिन्दुस्तान की राजधानी बताओ। रामचन्द्र जी की कहानी लिखो?
(4) हिन्दुस्तान की राजधानी बताओ? रामचन्द्र जी की कहानी लिखो।

84. निम्न में से किस विकल्प में 'उन' उपसर्ग का प्रयोग हुआ है?
(1) उन्नायक
(2) उन्मत्त
(3) उन्तीस
(4) उन्मीलित

85. 'दाम चुकाना' मुहावरे का निकटतम अर्थ है ---
(1) मूल्य देना
(2) मूल्य में बढोतरी होना
(3) ऋण आदि का पैसा जोड़कर देना
(4) मूल्य मिलना

86. Choose appropriate determiners for the following sentence:
She showed me ..... beautiful pictures from her vacation.
(1) much
(2) each
(3) some
(4) little

87. Change the voice of the sentence:
Someone sent her a cheque for a thousand euros.
(1) Someone has been sent a cheque for a thousand euros.
(2) She was sent a cheque for a thousand euros.
(3) She had sent someone a cheque for a thousand euros.
(4) None of the above

88. Which of this is not a synonym of "DEBACLE"?
(1) DISASTER
(2) CATASTROPHE
(3) DISPUTE
(4) DEVASTATION

89. Put the correct form of the verb to complete the sentence.
I suppose that when I come back in ten years' time, all these old houses (be) pulled down.
(1) Will be
(2) Will have been
(3) Have been
(4) Shall be

90. Fill in the blank with the correct option.
Near the equator, the Sun ..... greater quantities of water.
(1) evaporates
(2) is evaporating
(3) evaporated
(4) have evaporated

91. Choose appropriate antonym for 'Quotidian' :
(1) Mundane
(2) Extraordinary
(3) Sublunary
(4) Prosaic

92. Choose the correct meaning of the underlined Idiom.
We shall <u>leave no stone unturned</u> to make our new series on economics a success.
(1) To obtain possession of
(2) In a state of uncertainty
(3) To do one's best for something
(4) To emphasise

93. Fill in the blank with the correct Idiom and Phrases.
Please ..... this word in a Dictionary.
(1) look upon at
(2) look up
(3) look to
(4) look after

94. Choose appropriate conjunctions for the following sentence:
Sarah completed her report ..... she had to stay late to get it done.
(1) so that
(2) because
(3) even though
(4) unless

95. Fill in the blank with the correct determiner.
We have very ..... information.
(1) more
(2) many
(3) little
(4) few

96. Fill in the blank with the correct Article.
The children are making ..... noise.
(1) a
(2) Zero Article
(3) an
(4) the

97. Fill in the blank with the correct option.
They ..... me medication to help me relax.
(1) will give
(2) given
(3) gave
(4) had gave

98. Identify the voice that is used in the following sentence:
He resembled his father in so many ways.
(1) Passive Voice
(2) Active Voice
(3) All of the above
(4) Neither of the above

99. Choose the correct meaning of the underlined Idiom.
He spoke in such a listless manner that his <u>speech fill flat</u> on the audience.
(1) Fail to create any interest/effect
(2) Face criticism
(3) Unexpectedly provocative
(4) Unsuccessful in an enterprise

100. Fill in the blank with the correct determiner.
..... applicant has seven choices.
(1) More
(2) Many
(3) Any
(4) Each

****

रफ कार्य के लिए जगह / **Space for Rough Work**